Title: Reported agitation at Jantar Mantar by West Pakistani Refugees.

चौधरी लाल सिंह : मुझे अफसोस है कि आप लोग मेरी बात नहीं सुन रहे हैं, कृपया मेरी बात सुन लीजिए। हमारे आदमी 60 वर्ष से तरस रहे हैं। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only Chaudhary Lal Singh's statement is to be recorded.

*(Interruptions) â€¦**

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, the time for the discussion should be fixed. ...(*Interruptions*) When will this discussion come up before the House? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are supposed to be here until the end of the day's Session. I cannot take up that matter for discussion just to suit your convenience.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please do not shout.

चौधरी लाल सिंह: आचार्य जी, बड़े अफसोस की बात है, आप हमारी बात नहीं सुनने दे रहे हैं। हमारे लोग जंतर-मंतर पर बैठे हुए हैं, आप हमारी बात क्यों नहीं सुनने दे रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप बोलिए न।

चौधरी लाल सिंह : सर, मेरा सबमिशन है, आप जानते हैं कि 60 वर्ष हो गए हैं, हमारे जो वेस्ट पाकिस्तानी रिफ्यूज़ी जम्मू-काश्मीर में आए थे, उन्हें आज तक न वोटिंग का अधिकार मिला, न पीआरसी मिला, आज तक उनका स्टेटस नहीं बन पाया, आईएवाई का मकान नहीं मिलता, पढ़ने को कॉलेज नहीं मिलता, लोगों को वहां सर्विस नहीं मिलती। वे आज 60 वर्ष के बाद दोबारा जंतर-मंतर में आए हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: लाल सिंह जी, आप धीरे-धीरे बोलें।

चौधरी लाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं जितनी जोर से बोलूंगा, वेस्ट पाकिस्तानियों को सुनाई देगा। मैं उनको सुना रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय, मेरा सबमिशन है कि इस मसले को 60 वर्ष से सीरियसली नहीं लिया गया। हमें अफसोस है कि आज भी वे लोग तरस रहे हैं, झुग्गी-झोंपड़ियों में रह रहे हैं। अभी तक उनके पास जमीन, मकान और नौकरी नहीं है। उन्हें वोट डालने का अधिकार नहीं है। मैं कहना चाहूंगा कि प्लीज़ जंतर-मंतर

*Not recorded

पर गवर्नमेंट का कोई भी आदमी जाकर उनकी बात सुने और उनकी मदद करे तो बड़ी मेहरबानी होगी, ...(व्यवधान)

m02

श्री मदन लाल शर्मा (जम्मू) : अध्यक्ष महोदय, मैं इसके साथ अपने को एसोसिएट करता हूं और एक मिनट बोलने के लिए रिकवेस्ट करता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप अपना नाम भेज दीजिए, आपका नाम नोट हो गया है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not the manner in which to do it. No, I would not allow it.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय: आप लिख कर भेज दीजिए। आपने नोटिस देने का भी कष्ट नहीं किया।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am sorry. The next issue is to be raised by Shri Santosh Gangwar. You can raise only one matter.

...(व्यवधान)